

क्रमांक/पा. ॥ १४। वन/१९/

त जयपुर, दिनांक १८-२-२०००

::अधिसंघना::
====३====

वन्य जायजूसर्टजूअधिनियम, १९७२ अधिनियम संख्या-५३ तन् १९७२ की धारा-४०ी उपधारा १४ के खण्ड १४ गृह के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग परते हुए राज्य सरकार द्वारा राजस्थान के समस्त जिला कलेक्टर्स को अपने-अपने अधिकारिक क्षेत्र के अन्तर्गत उपत अधिनियम की अनुसूची-१ के पार्ट-१ में उल्लेखित लाल मूँह के बन्दर (Rhesus Macaque) स्वं स्तुमाने लंगूर (Presbytis entellus) सम्बन्ध में उक्त अधिनियम की धारा ११ की उपधारा १४ के खण्ड १४ के प्रयोजनों के लिए तत्काल प्रभाव से इतद्वारा प्राधिकृत अधिकारी नियुक्त किया जाता है।

638
१५३२

आङ्गा से,

६०/-

१८ सप्तमद

शासन सचिव, वन.

प्रतिलिपि निम्न को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है:-

- १- निजी सचिव, वन मन्त्री मटोदय।
- २- निजी सचिव, शासन सचिव, वन।
- ३- प्रधान मुख्य वन सरक्षक, राज०, जयपुर।
- ४- प्रधान मुख्य वन सरक्षक, कार्य आयोजना सं वन बन्दोबस्त, राज०, जयपुर।
- ५- अतिप्रधान मुख्य वन सरक्षक एवं मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक, राज०, जयपुर।
- ६- समस्त जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट।
- ७- तमस्त मण्डल वन अधिकारी, उप वन सरक्षक।
- ८- समस्त जिला पुलिस अधीक्षक।
- ९- अधीक्षक राजकीय मुद्रणालय को दो प्रतियों में अताधारण राजपत्र में प्रकाशित करने हेतु।
- १०- रक्षित पत्रावली।

६३

१८ लक्षमण सिंह

उप शासन सचिव, वन।

कार्यालय अति-प्रधान मुख्य वन्यातरक्षक एवं मुख्य वन्य जीव प्रति., राज०, जयपुर/क्रमांक/स्फृगृहितक/मुवजीप्र/१९/ १३५६-४५५

दिनांक: ४-३-२०००

प्रतिलिपि निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु

प्रेषित है:-

- १- समस्त जिला कलेक्टर्स
- २- समस्त जिला पुलिस अधीक्षक
- ३- समस्त मण्डल वन अधिकारी, उप वन सरक्षक
- ४- समस्त मुख्य वन सरक्षक/समस्त वन सरक्षक
- ५- समस्त संभागीय आयुक्त

अति-प्रधान मुख्य वन सरक्षक एवं

मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक,

राजस्थान, जयपुर।

२९ अप्र०

२०००